पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 77 ■ शुक्रवार 29 मई 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

क्लस्टर प्रोजेक्ट ने रफ़्तार पकड़ी

उल्हासनगरवासियों की बढ़ी उम्मीदें

स्मार्ट सिटी को ओर बढ़ते उल्हासनगर के कदम

महापौर अश्विनी निकम, मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने ठाणे में चल रहे क्लस्टर प्रोजेक्ट का दौरा किया.

उल्हासनगर. उल्हासनगर के भविष्य के विकास की तस्वीर बदलने वाला है और हज़ारों नागरिकों के पुनर्वास का सपना पूरा करने जा रहा क्लस्टर प्रोजेक्ट अब रफ़्तार पकड़ने के संकेत दे रहा है। डिप्टी चीफ़ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के कॉन्सेप्ट से शुरू हुए इस बड़े प्रोजेक्ट का मकसद पुराने, खतरनाक और बिना प्लान वाले कंस्ट्रक्शन की जगह एक मॉडर्न, सुरक्षित और प्लान्ड शहर बनाना है।

प्रोजेक्ट की समीक्षा करने के लिए, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के सेक्रेटरी अभिजीत दरेकर, महापौर अश्विनी निकम, मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले और नगरसेवक दुर्गा प्रसाद राय ने प्रोजेक्ट साइट का दौरा किया और डिटेल में इंस्पेक्शन किया। इस दौरान शहर के भविष्य के विकास प्लान पर चर्चा की गई और अलग-अलग कामों के बारे में जानकारी ली गई।

ठाणे में क्लस्टर प्रोजेक्ट के सफलतापूर्वक लागू होने के बाद, अब यह प्रोजेक्ट उल्हासनगर और कल्याण-डोंबिवली इलाकों में भी रफ़्तार पकड़ रहा है। यह प्रोजेक्ट बहुत ज़रूरी माना जा रहा है, खासकर उल्हासनगर जैसे घनी आबादी वाले शहर के लिए, जो पुरानी और खतरनाक इमारतों से घिरा हुआ है। इस प्रोजेक्ट के ज़रिए नागरिकों को सुरक्षित और अच्छी सुविधाओं वाले घर, चौड़ी सड़कें, मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर, पार्किंग की सुविधा, खुले मैदान, हरे-भरे इलाके और सही पुनर्वास देने का प्लान बनाया गया है।

■ मॉडर्न लाइफस्टाइल की ओर बढ़ते कदम

इंस्पेक्शन के दौरान, अधिकारियों ने प्रोजेक्ट के अलग-अलग फेज़ के बारे में जानकारी दी और आगे की प्लानिंग पेश की।

इस मौके पर मेयर अश्विनी निकम ने भरोसा जताया कि क्लस्टर प्रोजेक्ट उल्हासनगर की सूरत बदल देगा और शहर और भी सुंदर, सुरक्षित और प्लान्ड बनेगा। इस बीच, कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने कहा कि प्रशासन नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए तेज़ी से विकास के काम पूरे करने के लिए कमिटेड है। कॉर्पोरेटर दुर्गा प्रसाद राय ने भी कहा कि क्लस्टर प्रोजेक्ट उल्हासनगर के विकास के लिए ज़रूरी होगा और नागरिकों से इस प्रोजेक्ट में सहयोग करने की अपील की।

दुर्गाडी परिसर में शिवसेना का घंटानाद आंदोलन

■ कई शिवसैनिक हिरासत में

कल्याण. कल्याण के ऐतिहासिक दुर्गाडी किले परिसर में बुधवार को घंटानाद आंदोलन के दौरान माहौल पूरी तरह गरमा गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में शिवसैनिक दुर्गाडी परिसर में एकत्र हुए। आंदोलन के दौरान पूरे परिसर में जोरदार घोषणाबाजी की गई और हिंदुत्व तथा दुर्गाडी देवी की परंपरा को लेकर शिवसैनिकों ने आक्रामक रुख अपनाया।

शिवसैनिक पारंपरिक घंटानाद करने के लिए आगे बढ़े, लेकिन मौके पर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात था। पुलिस ने आंदोलनकारियों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद शिवसैनिकों और पुलिस के बीच हल्का तनाव भी देखने को मिला। हालांकि शिवसैनिक अपनी मांगों पर अड़े रहे और लगातार नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई आंदोलनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचाया। इसके बावजूद आंदोलनकारियों ने कहा कि 'शिवसैनिक झुकेगा नहीं' और हिंदुत्व की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

आंदोलनकारियों ने कहा कि दुर्गाडी देवी की परंपरा और हिंदू धर्म की अस्मिता के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है और उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है।

आंदोलन के दौरान शिवसैनिकों ने विश्वास जताया कि जल्द ही न्यायालय से उचित निर्णय आएगा।दुर्गाडी देवी के चरणों में पारंपरिक घंटानाद की अनुमति के लिए आंदोलन आगे भी जारी रखने का ऐलान किया गया।

उल्हासनगर में गुटखा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई

■ 15,994 का गुटखा और तंबाकू प्रोडक्ट जब्त

■ दुकानदार एक दिन की पुलिस हिरासत में

उल्हासनगर. तुकाराम मुंढे के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर का चार्ज संभालते ही उल्हासनगर पुलिस ने प्रतिबंधित गुटखा बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेंट्रल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर गुटखा, खुशबूदार पान मसाला और तंबाकू प्रोडक्ट बेचने वाले एक किराना दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और कोर्ट ने उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

सेंट्रल पुलिस स्टेशन में पुलिस कांस्टेबल किशोर दिगंबर काले की शिकायत पर चेतन रामदास वेताल (उम्र 33) के खिलाफ फूड सेफ्टी एंड ऑनर एक्ट 2006 और इंडियन पीनल कोड 2023 के तहत केस दर्ज किया गया।

पता चला कि आरोपी कल्याण-अंबरनाथ रोड पर साईंबाबा मंदिर के पास 'शोभा किराना' दुकान पर बेचने के लिए बैन गुटखा और खुशबूदार तंबाकू का स्टॉक रखे हुए था। पुलिस ने रेड मारकर 15,994 रुपये का गुटखा और तंबाकू प्रोडक्ट जब्त किया। आरोपियों को यह सामान कहां से मिला और इसके पीछे किस तरह का रैकेट है, इसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है। आगे की जांच पुलिस सब-इंस्पेक्टर बालासाहेब कोबरणे कर रहे हैं।

उल्हास नदी में डूबने से लड़के की मौत

उल्हासनगर. उल्हास नदी में नहाने के दौरान 14 वर्षीय लड़के की डूबने से मौत हो गई. पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार को गणेश घाट के पास हुई. जब कल्याण के अटाली गांव का निवासी लड़का अपने एक रिश्तेदार और पांच से छह दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था. नदी की गहराई का अंदाज न होने के कारण लड़का डूब गया. जानकारी के मुताबिक लड़के का शव नदी से बरामद किया गया. खड़कपाड़ा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है

व्यापारी को शादी का झांसा देकर 55 लाख रुपए ठगे

■ 2 महिलाएं गिरफ्तार

■ इंश्योरेंस पॉलिसी एजेंट बनकर फंसाया

उल्हासनगर. शादी का झांसा देकर महिलाओं को ठगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन अब कल्याण में एक ऐसी घटना हुई है जहां दो महिलाओं ने शादी का झांसा देकर एक बिजनेसमैन को ठग लिया। शादी का झांसा देकर बिजनेसमैन से 55 लाख रुपये ठगने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक जयश्री पाटिल ने कल्याण वेस्ट की एक मशहूर दुकान के मालिक को मुंबई में रहने वाली रोमा परदेशी से मिलवाया। उसने बिजनेसमैन को यह कहकर करीबी बढ़ाई कि रोमा एक बड़ी इंश्योरेंस कंपनी में काम करती है। शुरुआत में इंश्योरेंस पॉलिसी के जरिए जान-पहचान हुई और फिर भरोसा हो गया। रोमा परदेशी ने बिजनेसमैन से इंश्योरेंस के नाम पर लाखों रुपये ले लिए, लेकिन इंश्योरेंस पॉलिसी नहीं खुलवाई। कुछ दिनों बाद रोमा ने जयश्री पाटिल के जरिए बिजनेसमैन से शादी करने की तैयारी जताई। शादी के लिए मान जाने के बाद दोनों महिलाओं ने अलग-अलग कारण बताकर समय-समय पर बिजनेसमैन से पैसे लिए। शिकायत करने वाले के मुताबिक, वह अब तक दोनों को करीब 55 लाख रुपये दे चुका था।

■ महात्मा फुले पुलिस में मामला दर्ज

ठगी का एहसास होने पर व्यापारी ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने कुछ दिन पहले रोमा परदेशी को गिरफ्तार किया था। बाद में उसे ज़मानत मिल गई। इस बीच, जांच के दौरान पुलिस ने उसकी दोस्त जयश्री पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया है और उसे आगे की कार्रवाई के लिए कल्याण लाया जा रहा है। शिकायत करने वाले बिज़नेसमैन ने पुलिस से उसके पैसे वापस दिलाने की मांग की है। उसने अपनी भावनाएं ज़ाहिर करते हुए कहा, 'मुझे शादी का झांसा देकर धोखा दिया गया। आरोपी से पैसे वसूलकर मुझे इंसाफ़ मिलना चाहिए।' महात्मा फुले पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुढ़ापे में सहारे की जगह प्रताड़ना

उल्हासनगर में 80 साल की वृद्धा ने बहू और पोती के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 80 साल की दादी, जिन्हें बुढ़ापे में सहारे की ज़रूरत थी, उन्हें अपने ही घर में मानसिक और शारीरिक टॉर्चर का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में बहू और पोती के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और इलाके में गुस्सा है।

शांता करतार सिंह एलसिंघानी (उम्र 80) की शिकायत के मुताबिक, आरोपी हर्षा मयूर सिंह एलसिंघानी (उम्र 42) और टीना मयूर सिंह एलसिंघानी (उम्र 19) ने शिकायत करने वाली महिला, उनके पति करतार सिंह और बेटे मयूर सिंह को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने की साज़िश रची। शिकायत में आरोप है कि उन्हें 'घर छोड़ने' की धमकी देकर गाली-गलौज की जा रही है।

खास बात यह है कि आरोपी शिकायत करने वाली महिला की बहू और पोती हैं। यह जानते हुए भी कि बुज़ुर्ग कपल सीनियर सिटिज़न हैं, उन पर उनकी देखभाल करने के बजाय उन्हें परेशान करने का गंभीर आरोप लगा है।

बुढ़ापा किसी भी इंसान की ज़िंदगी का सबसे सेंसिटिव समय माना जाता है। लोग कह रहे हैं कि यह समाज के लिए शर्म की बात है कि जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी परिवार के लिए लगा दी, उनके साथ ऐसा समय आए। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड की धारा 352, 351(2), 3(5) और मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ़ सीनियर सिटिज़न एंड पेरेंट्स एक्ट, 2007 की धारा 24 के तहत केस दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस सब-इंस्पेक्टर अरुण दुबले कर रहे हैं।

ट्रांसजेंडर की संदिग्ध आत्महत्या

■ किन्नर समुदाय न्याय के लिए आक्रामक

बदलापुर. बदलापुर शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां ट्रांसजेंडर समुदाय की आरती उर्फ घनश्याम विश्वकर्मा (उम्र 28) ने अपने घर में ओढनी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है, और ट्रांसजेंडर समुदाय ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि यह सिर्फ आत्महत्या का एक रूप नहीं है, बल्कि मानसिक प्रताड़ना और धोखाधड़ी का नतीजा हो सकता है। इस मामले में 'कनोजिया' नाम के एक फोटोग्राफर पर शक जताया जा रहा है, और मृतका के करीबियों ने पूरी जांच की मांग की है।

इलाके में इस बात की काफी चर्चा है कि क्या संबंधित व्यक्ति और आरती के बीच कोई निजी रिश्ता था, क्या इसे लेकर कोई विवाद था, या उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया गया था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

घटना की जानकारी मिलते ही ट्रांसजेंडर समुदाय के कई सदस्य मौके पर पहुंच गए। 'आरती को इंसाफ़ मिलना चाहिए', 'गुनहगारों को गिरफ़्तार किया जाना चाहिए', इलाके में नारे गूंज रहे थे। समुदाय के कुछ लोगों ने शक जताया है कि यह घटना आत्महत्या के लिए उकसाने की कोशिश थी और उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, पुलिस प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और जांच शुरू कर दी है।

महिला बचत गट का रोजगार खतरे में?

■ प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें बांटने का काम निजी ठेकेदार को देने से नाराजगी

उल्हासनगर. महिला बचत गट के रोजगार पर रोक लगाने के फैसले की अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी चर्चा होने लगी है। कई सालों से प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें घर-घर पहुंचा रही महिला बचत गट से यह काम छीनकर एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर को देने की बात सामने आई है, जिससे महिलाओं की रोजी-रोटी का मुद्दा सामने आया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ग्रुप ने इस फैसले को महिला सशक्तिकरण की पॉलिसी के खिलाफ बताते हुए प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है।

महानगर पालिका द्वारा महिला बचत गट से प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें बांटने का काम छीनने के फैसले से शहर की महिलाओं में भारी नाराजगी है। बयान में कहा गया है कि महिला बचत गट की महिलाएं कुछ सालों से यह काम जिम्मेदारी और ईमानदारी से कर रही हैं और उन्हें लोकल एरिया की सही जानकारी होने की वजह से हर प्रॉपर्टी मालिक तक रसीद ठीक से पहुंचाई जा रही है। हालांकि, इस साल शिवसेना ठाकरे ग्रुप के महानगर प्रमुख दिलीप मिश्रा ने आरोप लगाया है कि यह काम प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर या हेल्थ डिपार्टमेंट के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को देने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कमिश्नर को एक निवेदन देकर इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। महिला बचत गट के रिप्रेजेंटेटिव ने भी एडमिनिस्ट्रेशन को एक अलग निवेदन देकर पिछले साल का बकाया मानदेय तुरंत देने और इस साल भी पहले जैसा ही काम देने की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि अगर एडमिनिस्ट्रेशन ने तीन दिन के अंदर कोई पॉजिटिव फैसला नहीं लिया तो डेमोक्रेटिक तरीकों से कड़ा विरोध किया जाएगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

समंदर के रास्ते 'सफेद जहर' की दस्तक

देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता काला कारोबार एक गंभीर समस्या बन गया है। शहरों से लेकर गांवों तक इसका जाल तेजी से फैल रहा है। विदेश से भी बड़े पैमाने पर जमीन और समुद्र के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने संयुक्त अभियान में मुंद्रा तट पर एक जहाज से करीब 1,150 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया है। सवाल है कि गुजरात नशीले पदार्थ का पारगमन केंद्र क्यों बनता जा रहा है?

राज्य में पिछले कुछ वर्षों से सुरक्षा बल इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। इसके बावजूद अगर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है, तो इसकी क्या वजह हो सकती है। सुरक्षा एजंसियां आखिर उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंच पाती हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं और उसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाते हैं।

गौरतलब है कि गुजरात के मुंद्रा तट पर यह पहली बार नहीं है, जब समुद्र के रास्ते लाई गई नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। वर्ष 2021 में तो इक्कीस हजार करोड़ रुपए के तीन हजार किलो नशीले पदार्थ यहां जब्त किए गए थे। उस समय यह सबसे बड़ी बरामदगी बताई गई थी। उसके बाद ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप मंगाता कौन है? इसकी व्यापक रूप से जांच किए जाने की जरूरत है, ताकि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है। व्यापार और सुरक्षा के लिहाज से यह तटरेखा संवेदनशील है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि उन संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसा जाए, जो विदेश से तस्करी के जरिए देश में नशे का जाल फैला रहे हैं।

विमर्श

शिखर पर महिलाओं के होने का मतलब

बंगाल में पराजय के बाद ममता बनर्जी मुश्किल में हैं। उनके सहयोगी ही उनके खिलाफ खड़े हो रहे हैं। ममता यह दिखा रही हैं कि किस तरह हर वक्त संविधान बचाने और लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेता चुनाव परिणाम अपने अनुकूल न आने के बाद किसी भी तरह के झूठ से परहेज नहीं करते। पता नहीं क्यों नेता यह मानकर बैठ जाते हैं कि कोई राज्य उनकी निजी जागीर है और वे हमेशा ही वहां बने रहेंगे? ममता की हार पर दो तरह के विमर्श चालू हैं। एक पक्ष कह रहा है कि उनकी हार उनकी पार्टी की गुंडागर्दी, तानाशाहीपूर्ण नीतियों, अवैध वसूली, भ्रष्टाचार तथा हिंदुओं की नाराजगी के कारण हुई। दूसरा पक्ष उनकी हार पर कह रहा है-देश से लोकतंत्र खत्म हो गया, फासिज्म आ गया आदि।

फासिज्म का राग अलापने वाले यह नहीं बताते कि आपातकाल के दिनों में या हिटलर, मुसोलिनी, माओ, स्टालिन, शी चिनफिंग, किम इल सुंग से किम इल जोंग आदि के शासनकाल में क्या वे इतना बोल सकते थे? डिजिटल मीडिया पर जो चाहे, लिख सकते थे। आपातकाल को इस लेखिका ने देखा है। जहां किसी को भी बिना किसी जांच के उठा लिया जाता था। फिर उसका पता न चलता था। आपातकाल को भी एक महिला नेता इंदिरा गांधी ने ही लगाया था। तब लोकतंत्र के बहुत से हिमायतियों को सांप सूंघ गया था। दूरदर्शन, रेडियो, अखबारों में बाकायदा सरकार के लोग बैठे रहते, जो हर खबर को देखते। तभी वह छप सकती थी या प्रसारित हो सकती थी।

मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं, उन्होंने राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को वाकई बहुत सुधारा, लेकिन उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि वे साबित नहीं हुए। कुछ साल पहले ममता बनर्जी की तरह ही उन्होंने भी अपने भतीजे को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। तमिलनाडु में जब जयललिता आईं तो उनकी परम मित्र शशिकला का बोलबाला हो गया था। जयललिता पर भी भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। वह पहली मुख्यमंत्री थीं, जिन्हें इस पद पर रहते हुए जेल जाना पड़ा। शीला दीक्षित जब दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तो निश्चित रूप से उन्होंने दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में बहुत योगदान दिया, लेकिन उन्हें भी भ्रष्टाचार के आरोपों से दो-चार होना पड़ा। उन्होंने भी अपने बेटे को आगे बढ़ाने की कोशिश की। पत्नी राबड़ी देवी को लालू प्रसाद यादव ने बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया था। उन पर भी जमीन के बदले नौकरी और आइआरसीटीसी घोटाले में लिप्त होने के आरोप लगे हैं। सुनवाई हो रही है। उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव और मीसा भारती बन गए हैं।

आखिर ऐसा क्यों है कि शिखर पर पहुंचते ही कई नेत्रियों को वही रास्ता सुविधाजनक लगता है, जिसे चुनौती देकर वे सत्ता में आती हैं। अपने रिश्तेदारों के अलावा, उत्तराधिकारी के लिए इन्हें कोई और योग्य क्यों नहीं लगता? उन विचारों का कितना महत्व है, जो कहते हैं कि स्त्रियां ही दुनिया को नष्ट होने से बचा सकती हैं। वे भी इसी पितृसत्तात्मक समाज का हिस्सा हैं, इसलिए जाने-अनजाने वे भी वही तौर-तरीके अपनाती हैं। तब फिर शिखर पर रहकर वे क्या बदलती हैं? कहावत है-एब्सोल्यूट पावर करप्टस एब्सोल्यूटली या हिंदी की कहावत है-काजर की कोठरी में कैसो ही सयानो जाय..। ये सच मालूम देती हैं। अक्सर कहा जाता है कि स्त्रियां यदि सत्ता के शिखर पर पहुंच जाएं, तो लोगों की तकदीर बदल सकती है, क्योंकि वे भ्रष्ट नहीं होतीं। वे पानी, सफाई, पोषण, स्कूल, सड़कों आदि को सुधारने की पहल करती हैं। बहुत सी ग्राम प्रधान स्त्रियों के बारे में छपता भी रहता है कि उन्होंने किस तरह अपने प्रयासों से गांवों की सूरत बदल दी।

प्रायः हमारी तुलना दूसरे देशों से की जाती है कि वहां देखो, कितना अच्छा है, लेकिन अमेरिका में अपराधी न स्त्री होती है, न पुरुष, वह सिर्फ अपराधी होता है। वहां ऐसा कोई नियम नहीं कि स्त्री अपराधी को पुरुष पुलिस वाले नहीं पकड़ सकते। न ही भारत की तरह यह नियम है कि सूर्यास्त के बाद किसी स्त्री अपराधी को आमतौर पर नहीं पकड़ा जा सकता। वहां अपराध के मामले में न स्त्री होना काम आता है, न रंग, भाषा, प्रदेश, प्रांत का सवाल उठता है। अपने यहां तो जैसे ही कोई अपराध करता है, उसकी जाति , लिंग, धर्म, भाषा देखी जाने लगती है।

आइए हम अपने दिलों में शांति का दीया जलायें और उसका प्रकाश दूसरों तक भी फैलायें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

SIR पर फैसला और लोकतंत्र की असली परीक्षा

लोकतंत्र में किसी भी चुनाव की शुचिता इस बात पर निर्भर करती है कि जनप्रतिनिधि के चयन की प्रक्रिया कितनी संवैधानिक, निष्पक्ष और पारदर्शी है। यह तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब मतदाता चुनाव में मतदान की वास्तविक पात्रता रखते हों और तमाम चुनावी कार्य स्वतंत्र तरीके से संपन्न कराए जाएं।

इसकी जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर होती है और वह समय-समय पर मतदाता सूची में संशोधन करता रहता है, ताकि जो व्यक्ति मतदान के लिए पात्र नहीं है या जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है, मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कुछ राज्यों में पिछले दिनों इसे लेकर कई तरह के विवाद खड़े हो गए।

यहां तक कि इसके औचित्य पर भी सवाल उठाए गए। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि निर्वाचन आयोग को एसआइआर कराने का पूरा अधिकार है और यह प्रक्रिया निष्पक्ष चुनावों के संवैधानिक दायित्व में जान फूंकती है। स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चुनाव की अनिवार्यता को आगे बढ़ाने में यह महत्त्वपूर्ण कड़ी है।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व राज्य में शुरू किए गए

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सबसे पहले सवाल उठे थे। विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया के समय को लेकर प्रश्न उठाया था। उनका कहना था कि चुनाव से ठीक पहले ही यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई, जबकि निर्वाचन आयोग इसे एक साल पूर्व भी करवा सकता था। इसके बाद आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं करने को लेकर भी विवाद हुआ, जो सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और अंततः निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने पड़े। इसके बाद सवालों का यह सिलसिला उत्तर प्रदेश से होते हुए पश्चिम बंगाल तक पहुंचा और शीर्ष अदालत को फिर इसमें दखल देना पड़ा। बिहार में एसआइआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनका निपटारा करते हुए न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) की धारा 21(3) के तहत विशेष पुनरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना इस बात की कानूनी घोषणा नहीं है कि कोई व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है। इससे उन लोगों को निश्चित तौर पर राहत मिली है, जिनके नाम तकनीकी कारणों से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं और अब उन्हें इस बात की चिंता सताने लगी है कि कहीं आगे चलकर उनकी नागरिकता खतरे में न पड़ जाए। यह बात सच है कि चुनावों की शुचिता को बरकरार रखने के लिए मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है, लेकिन कोई पात्र व्यक्ति तकनीकी कारणों से मताधिकार से वंचित न हो, इसकी जिम्मेदारी भी निर्वाचन आयोग की ही है।

पिछले दिनों बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में जिस तरह से लाखों लोग मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद मतदान नहीं कर पाए, वह वास्तव में चिंताजनक है। हालांकि, मताधिकार से वंचित होने की स्थिति रोकने के लिए शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि नागरिकता के आधार पर हटाए गए सभी नामों के मामलों को चार सप्ताह के भीतर सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा जाए और उन्हें अगले विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपना निर्णय देना होगा।

सालाना 118 kg ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों का रक्षक

जरा हट के

प्रकृति में हर जीव का अपना विशेष महत्व है. पारिस्थितिक तंत्र का संतुलन बनाए रखने में हर पक्षी की अपनी भूमिका होती है. इन्हीं में से एक पक्षी है कठफोड़वा. इसे अंग्रेजी भाषा में Woodpecker कहा जाता है. इसकी खासियत पर गौर करें तो इसे 'पेड़ों का डॉक्टर' भी कहा जा सकता है.

जब कठफोड़वा अपनी नुकीली चोंच से लकड़ी पर वार करता है, तो तेज आवाज आती है. यह आवाज सुनने में भले ही कानों को चुभने वाली लगे, लेकिन यह पेड़ों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है. कठफोड़वा की इस गतिविधि से पेड़ों की उम्र कई सालों तक बढ़ जाती है. वन्य प्राणी विशेषज्ञ अभय कोचर ने इसके पीछे की वजह विस्तार से बताई है.

बालाघाट के जंगलों का सुरक्षा कवच

मध्य प्रदेश का बालाघाट जिला

पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभा रहा है. इस जिले के 53 प्रतिशत भू-भाग पर घने वन हैं. इन जंगलों में कठफोड़वा की एक खास प्रजाति 'ब्लैक-रम्प्ड फ्लेमबैक' यानी 'सुनहरा कठफोड़वा' बड़ी संख्या में पाई जाती है. यह पक्षी पेड़ों की छाल के पीछे छिपे खतरनाक कीड़ों को खत्म करने का काम करता है. एक्सपर्ट के अनुसार, एक पेड़ एक साल में लगभग 118 किलो ऑक्सीजन छोड़ता है. इस तरह कठफोड़वा करोड़ों पेड़ों की रक्षा कर लाखों लोगों के लिए ऑक्सीजन का इंतजाम करता है.

कैसे काम करते हैं सुनहरे कठफोड़वा?

सुनहरे कठफोड़वा की पहचान उसके सिर पर मौजूद लाल क्राऊन से आसानी से की जा सकती है. इसकी चोंच लंबी होती है. चोंच के बीच जीभ भी उतनी ही लंबी होती है. इसकी जीभ पर एक चिपचिपा तरल पदार्थ होता है. यह पक्षी पहले अपनी चोंच से पेड़ की छाल को हटाता है. इसके बाद अंदर छिपे खतरनाक कीट बाहर आते हैं, जिन्हें कठफोड़वा अपना भोजन बना लेता है. यह दीमक, भृंग और चींटियों जैसे कीटों का सफाया करता है. इससे पेड़ों को होने वाला नुकसान रुक जाता है और उनकी उम्र बढ़ जाती है.

'भिंडी कढ़ी'

खाना-खजाना

सामग्री

- भिंडी- 200 ग्राम
- दही- 1 कप
- बेसन- 3 बड़े चम्मच
- तेल या घी- 2 से 3 बड़े चम्मच
- मेथी दाना- 1/2 छोटा चम्मच
- राई- 1/2 छोटा चम्मच
- जीरा- 1/2 छोटा चम्मच
- हींग- एक चुटकी
- हरी मिर्च- 2
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ता- 10-12
- हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- बारीक कटा हरा धनिया- सजावट के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले कटी हुई भिंडी को एक पैन में 1 चम्मच तेल डालकर मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए भून लें। अब एक बड़े बर्तन में

दही और बेसन को एक साथ डालें। ब्लेंडर या व्हिस्कर की मदद से इसे तब तक फेंटें जब तक कि बेसन की सारी गुठलियां खत्म न हो जाएं। अब इसमें हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लगभग 3 कप पानी डालकर एक पतला और स्मूथ घोल तैयार कर लें।

इसके बाद एक गहरी कढ़ाई में दो चम्मच तेल या घी गर्म करें। तेल गर्म होने पर इसमें राई, जीरा, मेथी दाना और हींग डालें। जब मसाले चटकने लगें, तब इसमें कढ़ी पत्ता, कटी हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट के लिए भूनें।

अब गैस की आंच को धीमा करें और तैयार किया हुआ दही-बेसन का घोल कढ़ाई में डालें। घोल डालते समय चमचे से लगातार चलाते रहें, ताकि दही फटे नहीं। उबाल आने के बाद आंच को धीमा कर दें और कढ़ी को 15-20 मिनट तक पकने दें। जब कढ़ी थोड़ी गाढ़ी होने लगे, तब इसमें फ्राई की हुई भिंडी और स्वादानुसार नमक डालें। भिंडी डालने के बाद कढ़ी को धीमी आंच पर 5 से 7 मिनट और पकाएं ताकि भिंडी कढ़ी के सारे फ्लेवर्स को सोख ले। इसके बाद आप चाहें, तो ऊपर से तड़का लगा सकते हैं।

वजन कम करना है? तो आज ही छोड़ें रिफाइंड कार्ब्स

इन आसान तरीकों से बदलें अपनी डाइट

कार्बोहाइड्रेट या कार्ब्स का नाम आते ही लोग इसे सबसे पहले अपनी डाइट से निकाल बाहर करते हैं, लेकिन हर कार्ब एक जैसा नहीं होता। कार्ब्स को दो कैटेगरी में बांटा गया है, रिफाइंड और कॉम्प्लैक्स। इन दोनों के बीच का अंतर पता होने से आपको वजन कम करने, एनर्जी बढ़ाने और सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है। रिफाइंड कार्ब्स को अपनी डाइट से बाहर करने के कई सिंपल तरीके हैं, आइए जानते हैं।

क्या चीजें कार्ब्स को रिफाइन बनाती हैं

- ज्यादातर प्रोसेस्ड फूड सिंपल या रिफाइंड कार्ब्स की कैटेगरी में आते हैं

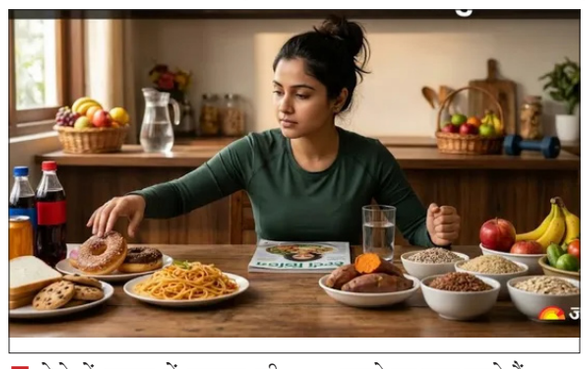

- ऐसे में फूड्स में फाइबर की मात्रा ना के बराबर होती है
- ये कार्ब्स आसानी से पच जाते हैं और तुरंत ही भूख लगने लगती है
- एडेड शुगर या प्रीजरवेटिव युक्त पैकेटबंद फूड, सिंपल कार्ब्स माने जाते हैं
- ये ब्लड शुगर को एकदम से बढ़ाने का काम करते हैं

इन फूड्स में होता है रिफाइंड कार्ब्स

- पेस्ट्री
- पास्ता
- व्हाइट राइस
- सोडा
- कैंडी

अपने भोजन से ऐसे कम करें रिफाइंड कार्ब

- **ब्रेकफास्ट हो ऐसा:** नाश्ते से शुगरी सीरियल्स हटा कर घर का बना फ्रेश फूड खाएं। आप फल और अंडे को इसमें शामिल कर सकते हैं।
- **साबुत हो अनाज:** ब्रेड या पास्ता जैसे सिंपल कार्ब लेने की बजाय ब्राउन राइस, किनुआ, रागी जैसे होल ग्रेन से बनी चीजें लें। ऐसी चीजें खाएं, जिन्हें तैयार करने में कम से कम प्रोसेसिंग की गई हो।
- **ढेर सारे फल और सब्जियां:** रिफाइंड कार्ब्स वाली चीजों की जगह ताजे फल और सब्जियां खाने में ज्यादा लें। पैकेटबंद स्कैक्स की जगह आप सेब या फिर रोस्टेड शकरकंद जैसी चीजें लें सकते हैं।
- **प्रोटीन और हेल्दी फैट्स:** कार्ब्स के साथ हमेशा ही प्रोटीन को रखें। इससे खाना धीरे-धीरे पचेगा और ब्लड शुगर स्थिर बना रहेगा।

ये मिलते हैं फायदे

- एनर्जी का स्तर स्थिर रहता है और बार-बार भूख नहीं लगती
- ब्लड शुगर का सही स्तर बनाए रखने में मदद मिलती है
- हार्ट हेल्थ बेहतर होती है
- पेट से जुड़ी समस्याएं कम हो जाती हैं
- वजन कंट्रोल रहता है

सिंपल कार्ब कम करने से पहले इन लोगों को लेनी चाहिए डॉक्टरी सलाह

- कोई मेहनत का खेल खेलते हैं या एथलीट हैं
- प्रेग्नेंट हैं
- डायबिटीज या किडनी से जुड़ी समस्या है

आज का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ: परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

मिथुन: भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

कर्क: जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है।

सिंह: आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।

कन्या: नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। कष्ट हो सकता है।

तुला: प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक: यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु: नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ: सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन: थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या आप भी वजन कम करने के लिए सिर्फ टहलते हैं?

इससे कहीं ज्यादा फायदेमंद है साइकिल चलाना

पेट की चर्बी होगी गायब!

आजकल, बढ़ता वज़न और पेट की चर्बी लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक बन गई है. वज़न कम करने के लिए, कई लोग रोज़ाना सुबह या शाम को टहलना शुरू कर देते हैं. हालांकि शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए टहलने को एक बेहतरीन आदत माना जाता है, लेकिन अगर आप तेज़ी से चर्बी घटाना चाहते हैं, तो सिर्फ़ कसरत करने के बजाय साइकिल चलाना ज़्यादा असरदार साबित हो सकता है

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, साइकिल चलाने से शरीर की काफी कैलोरी बर्न होती है और यह पेट, पैरों और कमर के आस-पास की चर्बी कम करने में बहुत असरदार हो सकता है. यही वजह है कि कई लोग वज़न घटाने के लिए साइकिल चलाने को अपनी रोज़ाना की फिटनेस रूटीन में शामिल कर रहे हैं.

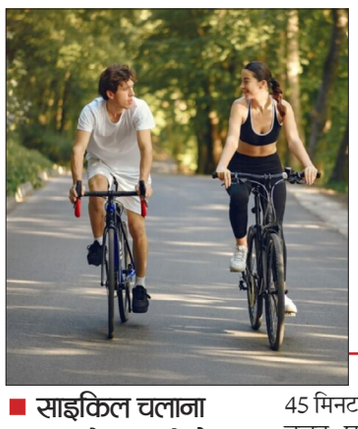

साइकिल चलाना फायदेमंद क्यों है?

साइकिल चलाने को एक बेहतरीन शारीरिक व्यायाम माना जाता है। यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और दिल की सेहत को भी बेहतर बना सकता है. नियमित रूप से साइकिल चलाने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे शरीर तेज़ी से कैलोरी बर्न कर पाता है.

पेट की चर्बी कम करने में कैसे मदद करता है?

जब आप तेज़ गति से साइकिल चलाते हैं, तो आपका शरीर ज़्यादा ऊर्जा खर्च करता है. इससे कैलोरी तेज़ी से बर्न होती है और पेट के आस-पास जमा चर्बी धीरे-धीरे कम होने लगती है. इसके अलावा, साइकिल चलाने से मांसपेशियां और जोड़ भी मज़बूत होते हैं.

कितनी देर चलाएं साइकिल?

रोज़ाना 30 से 45 मिनट तक साइकिल चलाना वज़न घटाने के लिए बहुत असरदार हो सकता है. शुरुआत में मध्यम गति से साइकिल चलाएं और समय के साथ-साथ अपने वर्कआउट की अवधि और तीव्रता, दोनों को धीरे-धीरे बढ़ाएं.

साइकिल फायदे

- तेज़ी से कैलोरी बर्न करता है.
- पेट और कमर की चर्बी कम करने में मदद करता है.
- स्टैमिना बढ़ा सकता है.
- दिल और फेफड़ों की सेहत सुधार सकता है.
- तनाव कम करने में मदद कर सकता है.

पुदीना-दही की चटनी

गर्मियों का मौसम आते ही लोग भारी और मसालेदार खाने से दूरी बनाकर हल्का, सादा और ठंडक देने वाला भोजन खाना ज्यादा पसंद करते हैं. ऐसे मौसम में अगर खाने के साथ कुछ स्वादिष्ट और ताजगी से भरपूर मिल जाए, तो पूरे खाने का मजा ही दोगुना हो जाता है. झारखंड में भी गर्मियों के दौरान एक खास तरह की पुदीना और दही की चटनी काफी पसंद की जाती है, जो स्वाद के साथ शरीर को ठंडक देने का काम भी करती है.

दाल-सब्जी छोड़ चटनी संग खाएंगे चावल

यह चटनी इतनी स्वादिष्ट होती है कि अगर इसे दोपहर के खाने में चावल के साथ परोस दिया जाए, तो दाल या सब्जी की जरूरत तक महसूस नहीं होती. वहीं गरमा-गरम पराठे के साथ इसका स्वाद लोगों को उंगलियां चाटने पर मजबूर कर देता है. खास बात यह है कि इसे बनाना बेहद आसान है और कुछ ही मिनटों में घर पर तैयार किया जा सकता है.

ऐसो होती है तैयार

इसे बनाने के लिए सबसे पहले बाजार से ताजा और अच्छी खुशबू वाला पुदीना ले आएं. इसके बाद पुदीना के पत्तों को डंठल से अलग कर साफ पानी से अच्छी तरह धो लें ताकि उसमें लगी मिट्टी या धूल पूरी तरह निकल जाए. फिर एक बर्तन में दही लेकर उसे हाथ या

चम्मच की मदद से अच्छे से फेंट लें, ताकि दही थोड़ा गाढ़ा और स्मूद हो जाए. अब मिक्सर या सिलबट्टे में पुदीना के पत्ते, दो हरी मिर्च, चार से पांच लहसुन की कलियां और एक उंगली के बराबर अदरक डालकर अच्छे से पीस लें. जब यह मिश्रण पूरी तरह तैयार हो जाए, तब इसे दही में मिलाएं. इसके बाद स्वाद के अनुसार काला नमक डालें, ऊपर से थोड़ा नींबू का रस और कुछ बूंद सरसों का तेल डाल दें. सरसों के तेल की हल्की खुशबू इस चटनी का स्वाद और भी बढ़ा देती है.

कई घरों में रोजाना बनती

झारखंड के कई घरों में गर्मियों के दौरान यह चटनी रोजाना खाने में शामिल की जाती है. यह सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाती बल्कि पुदीना, दही और अदरक जैसे तत्व शरीर को ठंडक पहुंचाने और पाचन बेहतर रखने में भी मदद करते हैं.

अगर आप भी इस गर्मी कुछ आसान, देसी और स्वाद से भरपूर ट्राई करना चाहते हैं, तो झारखंड की यह खास पुदीना-दही चटनी जरूर बनाएं. यकीन मानिए, एक बार खाने के बाद इसका स्वाद लंबे समय तक याद रहेगा.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

देशी शराब पीने से तीन दोस्तों की अचानक तबियत खराब; दो की मौत, तीसरा गंभीर

एटा. यूपी के एटा में दोस्तों के साथ बैठकर देशी शराब पीने से दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर बीमार है। शराब कहां से खरीदी अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि थाना अवागढ़ के गांव मीसाकलां निवासी राकेश (50) पुत्र मानसिंह, नरसिंगपाल (57) पुत्र रोशनलाल, रंजीत पुत्र सुभाष मिलकर तीनों दोस्त गुरूवार की सुबह गांव के बाहर देशी शराब पी रहे थे। शराब पीते हुए ही अचानक तीनों की तबियत बिगड़ गई। तीनों की हालत खराब होने की जानकारी मिलते ही परिजनों ने तीनों को आनन-फानन में गांव वालों की मदद से अवागढ़ स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। डॉक्टरों ने तीनों की हालात गंभीर देख तीनों को आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा में राकेश और मानसिंह को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि रंजीत गंभीर रुप से बीमार हो गया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

चोरी के शक में पेड़ से बांधकर 2 युवकों को ग्रामीणों ने धुना; कपड़े फाड़कर डंडे बरसाए

प्रतापगढ़. प्रतापगढ़ में चोरी करने पहुंचे तीन युवकों को ग्रामीणों ने दौड़ाया तो एक फायर करते हुए भाग निकला, जबकि दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को पेड़ से बांधकर पीटा गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। ग्रामीण उन्हें चोर बता रहे हैं, जबकि पुलिस मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रही है। पेड़ से बांधकर युवकों की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खेत पर गई नाबालिग लड़की से गैंगरेप-जान से मारने की धमकी, झाड़ियों में बेहोश मिली

मैनपुरी. मैनपुरी में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप किया गया। लड़की को झाड़ियों में फेंककर आरोपी फरार हो गए। थाना किशनी क्षेत्र के कुसमरा पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव में खेत पर गई एक 14 वर्षीय किशोरी को बंधक बना गांव के ही एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर कथित रूप से सामूहिक रेप किया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता को बेहोशी की हालत में खेत से बरामद किया गया है। लड़की के मिलने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार कुसमरा चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे उनकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी खेत पर गई थी।

कर्नाटक के CM सिद्धारमैया का इस्तीफा

- बोले- आलाकमान ने जो कहा, मैंने किया
- मंत्री बोले- डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे

बेंगलूरु. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। बेंगलुरु में प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा- मैंने कहा था कि जब भी हाईकमान मुझे कहेंगे, मैं इस्तीफा दे दूंगा। इसलिए कल हाईकमान ने मुझे इस्तीफा देने की बात कही। राज्य के अब जो अगले मुख्यमंत्री हैं उन्हें मौका देना चाहिए।

सिद्धारमैया गुरुवार दोपहर 3 बजे लोकभवन पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी मौजूद थे। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के सेक्रेटरी को इस्तीफा सौंपा है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत पारिवारिक कारणों के चलते बेंगलुरु से बाहर हैं।

इससे पहले दिन में सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में अपने घर पर मंत्रियों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग बुलाई थी। जिसमें उन्होंने सभी मंत्रियों को अपने फैसले के बारे में जानकारी दी।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, इसके बाद सीएम ने उन्हें गले लगा लिया। कर्नाटक सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने बताया कि मीटिंग में डीके शिवकुमार के नाम पर मुहर लगी। वह अगले सीएम होंगे।

गर्वनर के बिना इस्तीफा दे सकते हैं लेकिन मंजूरी नहीं

नियमानुसार राज्यपाल राज्य में मौजूद न हों तब भी मुख्यमंत्री लिखित इस्तीफा राजभवन के अधिकारियों को ई-मेल से या खुद जाकर दे सकते हैं। राज्यपाल बाद में उसे स्वीकार करते हैं। इस्तीफा मंजूर होने तक मौजूदा सीएम ही पद पर रहेंगे।

कर्नाटक में फेरबदल पर 2 दावे किए जा रहे हैं

- डीके शिवकुमार को शुक्रवार को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना जाएगा। कांग्रेस डीके के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश करेगी।
- बिहार में NDA ने जिस तरह पूर्व सीएम नीतीश के बेटे को नई सरकार में मंत्री बनाया। उसी तरह सिद्धारमैया के बेटे को मंत्री बनाया जा सकता है।
- इसके साथ सरकार के मंत्रिमंडल में भी फेरबदल होगा। कैबिनेट में करीब 15 से 20 नए मंत्री शामिल किए जा सकते हैं।

NEET एग्जाम को लेकर हाईलेवल मीटिंग

- शिक्षा मंत्री प्रधान समेत PMO के अधिकारी भी मौजूद
- NTA ने फीस रिफंड की डेडलाइन बढ़ाई

नई दिल्ली. NEET मुद्दे को लेकर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक हाईलेवल मीटिंग चल रही है। इस बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, NTA के DG अभिषेक सिंह और PMO के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं।

इधर, परीक्षा रद्द होने के बाद, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने फीस रिफंड के लिए बैंक खाते की जानकारी जमा करने की डेडलाइन 22 जून को रात 11:50 बजे तक बढ़ा दी है। पिछली डेडलाइन 27 मई थी।

उम्मीदवारों को रिफंड लिंक तक पहुंचने और अपने बैंक खाते की जानकारी जमा करने के लिए अपने क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके लॉग इन करना होगा।

NEET एग्जाम 3 मई को भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों में हुआ था, जिसमें 22 लाख से ज्यादा स्टूडेंट शामिल हुए थे। पेपर लीक के बाद 12 मई को इसे कैंसिल कर दिया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को NEET की तैयारी कर रहे छात्र प्रदीप मेघवाल के परिवार से मुलाकात की। प्रदीप ने परीक्षा के 'क्वेश्चन बैंक' लीक होने के बाद आत्महत्या कर ली थी। राहुल ने केंद्र सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा, मोदी-प्रधान की जोड़ी इस परिवार के लिए जवाबदेह है।

X पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा प्रदीप की मौत आत्महत्या नहीं, एक टूटी हुई, भ्रष्ट व्यवस्था की देन है। जिन्होंने परीक्षा प्रणाली को माफ़ियाओं के हवाले कर दिया, और आज भी अपनी कुर्सी से चिपके हैं, मोदी-प्रधान की जोड़ी इस परिवार के सामने जवाबदेह है।

काकोली का आरोप- कल्याण बनर्जी ने मुझे गालियां दीं

- लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा
- एक दिन पहले TMC के सभी पदों से इस्तीफा दे चुकी हैं

नई दिल्ली. बंगाल के बारासात से TMC सांसद काकोली घोष ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने TMC सांसद कल्याण बनर्जी पर संसद के अंदर बदतमीजी और गाली-गलौज की शिकायत दर्ज कराई है। काकोली घोष ने लिखा, मैं आपसे औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति चाहती हूं। कल्याण बनर्जी ने कई बार लोकसभा के अंदर मुझे मौखिक रूप से अपमानित किया है। उनका यह व्यवहार कई अन्य महिला सांसदों के खिलाफ रहा है। इसके लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।'

उधर, कल्याण बनर्जी ने काकोली के आरोपों को निराधार बताया है। वहीं, काकोली ने बुधवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

कल्याण ने कहा- मुझे उनकी मंशा पर शक है

कल्याण बनर्जी ने कहा, ऐसा लगता है कि वे किसी खास उद्देश्य से काम कर रही हैं, जिससे मुझे संदेह होता है। जहां तक लगाए जा रहे आरोपों का सवाल है, असली मुद्दा यह है कि किसने क्या कहा और कब कहा। समस्या उनकी मंशा में है।

CM शुभेंदु की बैठक में शामिल हुई थीं काकोली

काकोली का इस्तीफा उस बैठक के बाद आया, जिसमें वे पश्चिम बंगाल के CM शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में कल्याणी में शामिल हुई थीं। बताया जा रहा है कि TMC ने उन्हें बैठक में जाने से अनौपचारिक रूप से मना किया था।

7 दिन के नवजात को जलाकर फेंका

- गुजरात के सूरत की घटना
- शहर में 7 दिनों में नवजातों को फेंकने की तीसरी घटना

सूरत. गुजरात के सूरत शहर में 6 से 7 दिन के नवजात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जली हुई हालत में फेंक दिया। गुरुवार सुबह उधना क्षेत्र के भीमनगर गरनाला में कुछ लोगों ने नवजात का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि नवजात को किसी केमिकल से जलाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर

आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सूरत में सात दिनों के भीतर नवजातों से जुड़ी यह तीसरी घटना है। इससे पहले 21 मई को पांडेसरा इलाके में एक नवजात बच्ची जीवित मिली थी, जो अब स्वस्थ है। जबकि 24 मई को कतारगाम इलाके में झाड़ियों से एक नवजात बच्ची का शव बरामद हुआ था। इन दोनों मामलों में भी अब तक आरोपियों का पता नहीं चल सका है।

- केमिकल से जलाया गया था नवजात को

उधना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नवजात का पूरा शरीर जला हुआ था। प्राथमिक मेडिकल जांच में पता चला है कि नवजात को किसी केमिकल से जलाया गया है। नवजात का शव पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत की स्मीमेर अस्पताल भेजा गया है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि नवजात कितने दिन का था, उसकी लिंग पहचान क्या थी और मौत का सही कारण क्या था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नवजात की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे किसी ज्वलनशील पदार्थ या केमिकल से जलाने का प्रयास किया गया हो सकता है।

- पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की

रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी धाराएं जोड़ने की तैयारी में है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए उधना पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। आसपास की दुकानों, मुख्य सड़कों और गरनाला क्षेत्र में देर रात या सुबह संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है।

शायर बशीर बद्र का निधन

- याददाश्त चली गई थी, मुशायरे की याद आने पर इरशाद-इरशाद कहने लगते थे

भोपाल. उर्दू ग़ज़ल के शहंशाह डॉ. बशीर बद्र (91) नहीं रहे। त्याग और बलिदान के पर्व को उन्होंने फानी दुनिया को अलविदा कहा। उर्दू अदब की रूह में समाए डॉ बशीर बद्र तक़रीबन 14 बरस से डिमेंशिया की गिरफ़्त में रहे, जिससे उनकी याददाश्त कमजोर होती चली गई, मगर उनके शेर आज भी दिलों में धड़कते हैं।

उनकी पत्नी, डॉ. राहत बद्र, जब उनके शेर गुनगुनाती थीं, तो

बशीर बद्र साहब के चेहरे पर शादाबी की हल्की सी झलक उभर आती थी। कभी-कभी वे ख़ुद भी मिसरा पूरा करने लगते। एक वक़्त था, जब उनके बिना मुशायरे अधूरे माने जाते थे। उनकी मौजूदगी महफ़िल की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी। जब भी उन्हें मुशायरे की याद आती थी तो इरशाद, इरशाद कहने लगते थे।

अफ्रीकी देशों से अहमदाबाद आए 11 लोग आइसोलेशन में

- सरकार बोली- भारत में इबोला का कोई केस नहीं
- युगांडा से लौटी महिला की रिपोर्ट नेगेटिव

अहमदाबाद. अफ्रीकी देशों में इबोला वायरस फैलने के चलते युगांडा, दक्षिण सूडान और कांगो से अहमदाबाद आए 11 मरीजों को

होम आइसोलेशन में रखा गया है। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी ने बताया कि प्राथमिक जांच में इनमें से कोई भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। लेकिन, एहितायन यह कदम उठाया है। वहीं, भारत सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला नहीं है। सरकार को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए थे। हालांकि बाद में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई।

महिला 23 मई को बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंची थी। जिसके बाद उसे एहतियातन सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। महिला के शरीर में हल्का दर्द था, हालांकि अब वह पूरी तरह स्वस्थ है।

इबोला पहली बार 1976 में सामने आया

पूरी दुनिया में इबोला वायरस डिसीज (EVD) से पीड़ित मरीजों में 25% से 90% की मौत होती है। इबोला वायरस पहली बार 1976 में अफ्रीका में सामने आया था। उस समय सूडान और तत्कालीन जायरे (अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो) में इसके मामले मिले थे। कांगो में जिस इलाके में यह वायरस मिला, उसके पास बहने वाली इबोला नदी के नाम पर इसका नाम रखा गया। यह जानलेवा बीमारी संक्रमित व्यक्ति के खून, उल्टी और शरीर के दूसरे तरल पदार्थ के संपर्क से फैलती है।

गंगा में नाव डूबी, 3 मौतें : 4 लोग लापता

पटना. पटना के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। जबकि 4 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे। जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है। मृतकों की पहचान नीलम कुमारी (30), श्रवण महतो (36) और काशी कुमार (15) के रूप में हुई है। श्रवण और काशी का संबंध पिता-बेटे का है। घायलों में राहुल

कुमार, ममता देवी, कबूतरी कुमारी और 16 साल की एक नाबालिग लड़की शामिल है। बाकी 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है। नाव पर सवार सभी लोग बाढ़ थाना क्षेत्र के मासूमगंज बिंद टोली के निवासी थे।

तेज हवा और अधिक लोड का कारण पलटी नाव

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह 5:45 बजे बिंद टोली के 14 लोग नाव से समस्तीपुर जिला के सुल्तानपुर दियारा गए थे। बाढ़ से लोग अक्सर सब्जी तोड़ने और खेती के काम उस इलाके में जाते हैं। वापस लौटने के दौरान तेज हवा और क्षमता से अधिक लोड के कारण नाव पलट गई। नाव पर बचाव के उपकरण भी नहीं थे।

वैभव बोले- गेल का रिकॉर्ड पता नहीं था

- बस टीम के लिए खेलना था
- गेल ने 30 बॉल में 100 बनाए थे, सूर्यवंशी 3 रन से चूके

राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को IPL के एलिमिनेटर में हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रन बनाए। वे IPL इतिहास का सबसे तेज शतक बनाने के क्रिस गेल (30 गेंद) के रिकॉर्ड से चूक गए।

मैच के बाद वैभव से पूछा गया कि क्या उन्हें सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड की जानकारी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे आउट होने के बाद ही इस रिकॉर्ड के बारे में पता चला। उस समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर था। शतक तो आगे भी बनते रहेंगे, लेकिन अभी हमारा पूरा फोकस इस बात पर है कि टीम के लिए ट्रॉफी कैसे जीती जाए।'

वैभव ने कहा, 'जब हम जीतते हैं तो हम बस उसी पॉजिटिव अप्रोच को आगे ले जाते हैं और

अगले मैच पर ध्यान लगाते हैं। हमारी कोशिश अगले मैच को भी इसी तरह जीतकर फाइनल में पहुंचने की है।'

- वैभव का विकेट प्रफुल्ल हिंगे को मिला

वैभव सूर्यवंशी 8वें ओवर में प्रफुल्ल हिंगे की गेंद पर थर्ड मैन पर कैच दे बैठे। इस पर वैभव ने कहा- 'मैं शतक के बारे में नहीं सोच रहा था। मैंने मैदान पर मौजूद फील्डर्स को देखने के बाद वह शॉट खेला था, लेकिन टाइमिंग गलत हो गई। अगर मैंने गेंद को सीधे थर्ड मैन की तरफ जाने दिया होता, तो वह आसानी से बाउंड्री पार चली जाती।'

- गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव भले ही शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव के नाम इस सीजन में 65 छक्के हो गए हैं। विरोधी टीमों की प्लानिंग पर वैभव ने कहा, 'विपक्षी टीम क्या प्लान बना रही है, वह उनका काम है। मैं सिर्फ अपने प्लान पर फोकस करता हूं और नॉर्मल क्रिकेट

IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज

छक्के	खिलाड़ी	टीम	सीजन
65	वैभव सूर्यवंशी	RR	2026
59	क्रिस गेल	RCB	2012
52	आंद्रे रसेल	KKR	2019
51	क्रिस गेल	RCB	2013
45	जोस बटलर	RR	2022

जिसकी हत्या के आरोप में पिता-भाई जेल में, वह जिंदा लौटी

- सिर कटी और जली हुई लाश को पुलिस ने शिवानी की मान लिया था

बुरहानपुर. जिस युवती की हत्या के आरोप में पिता और भाई जेल में बंद हैं, वह अचानक जिंदा लौट आई। उसने 27 मई की रात बुरहानपुर जिले के खकनार थाने में जाकर बताया- साहब! मैं जिंदा हूं...मेरे पिता और भाई को छोड़ दीजिए।

खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि शिवानी 24 अप्रैल को लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 1

मई को खकनार थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पता चला कि क्षेत्र का ही एक युवक अर्जुन भी लापता है। दोनों के साथ रहने की जानकारी सामने आई। अर्जुन की गुमशुदगी 9 मई को दर्ज की गई थी। इसी दौरान महाराष्ट्र के जलगांव जामोद क्षेत्र में एक युवती की सिर कटी और जली हुई लाश मिली, जिसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। सीसीटीएनएस पर दर्ज गुमशुदगी के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस बुरहानपुर पहुंची। खकनार पुलिस से जानकारी लेने के बाद उस अज्ञात शव को शिवानी मान लिया गया। इसके बाद शिवानी के पिता बापूराव और भाई अजय को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर बुलढाणा जेल भेज दिया गया।

- पिता-भाई की गिरफ्तारी का पता चला तो सामने आई शिवानी

मामले ने तब नया मोड़ लिया, जब शिवानी को पता चला कि उसके पिता और भाई उसकी हत्या के आरोप में जेल में हैं। इसके बाद उसने परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही खकनार पुलिस ने शिवानी और अर्जुन को खोज निकाला। शिवानी ने पुलिस को बताया कि वह 24 अप्रैल को अर्जुन के साथ चली गई थी और दोनों जिंदा हैं। उसने कहा कि वह अपने पिता और भाई को जेल से छुड़ाना चाहती है।

जली हुई लाश किसकी थी? नए सिरे से होगी जांच

शिवानी के जिंदा सामने आने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि महाराष्ट्र में मिली सिर कटी और जली हुई लाश आखिर किसकी थी? खकनार पुलिस का कहना है कि अब पूरे मामले की नए सिरे से जांच होगी और अज्ञात शव की पहचान के साथ पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जाएगी।

थम इंप्रेशन और सरकारी आईडी से हुई पहचान

टीआई के अनुसार, शिवानी की पहचान थम इंप्रेशन और सरकारी पहचान पत्रों के जरिए की गई। परिजनों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर पुष्टि की गई कि वह शिवानी ही है। बुधवार रात महाराष्ट्र पुलिस शिवानी और अर्जुन को अपने साथ जलगांव जामोद ले गई। अब उसके पिता और भाई की रिहाई की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

15 राज्यों में भारी आंधी-बारिश

- IMD का अलर्ट
- 100 की स्पीड से हवा के झोंके

नई दिल्ली. कई दिनों की प्रचंड गर्मी और भीषण लू के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अब आंधी-बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। IMD ने नवीनतम मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि कल यानी शुक्रवार 29 मई को देश के बड़े हिस्से में मौसम के मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है। IMD के मुताबिक 29 मई को उत्तर-पश्चिम भारत के निवासियों को भीषण लू (Heatwave) से बड़ी राहत मिलने की संभावना है, जबकि मॉनसून की सक्रियता और आंधी-तूफान की गतिविधियों में तेजी आएगी।

IMD ने कहा है कि 29 मई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में गरज के साथ आंधी आएगी और बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा बिहार, झारखंड और ओडिशा समेत कुल 15 राज्यों में आंधी बारिश और तूफान की चेतावनी दी गई है। IMD ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस दौरान हवा की स्पीड 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। कुछ राज्यों में ओले गिरने का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 29 मई को अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। हालाँकि, IMD ने कहा है कि 29 मई को पश्चिमी राजस्थान में भीषण लू की स्थिति बनी रह सकती है, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू का असर रहेगा। IMD ने ये भी कहा है कि 29 मई से 31 मई के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 6-8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट आने का अनुमान है।

ईरान के बाद ओमान को ट्रम्प की धमकी

- कहा- होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं, उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। ट्रम्प ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।'

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

इमारत में आग लगी; एक महिला घायल

मुंबई. दक्षिण मुंबई के कोलाबा इलाके में बृहस्पतिवार सुबह पांच मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने से एक महिला मामूली रूप से झुलस गई। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शहीद भगत सिंह मार्ग पर ससून डॉक के सामने स्थित किस्मत बिल्डिंग में आग लगने की सूचना सुबह 7.55 बजे मिली।

अधिकारियों के अनुसार, आग इमारत की पांचवीं मंजिल पर स्थित एक कमरे में बिजली के तारों और उपकरणों, लकड़ी के फर्नीचर, खाने-पीने की चीजों और पर्दों तक ही सीमित थी।

ठाणे-पालघर शिवसेना को? BJP में बेचैनी चरम पर

■ नाराज़ कॉर्पोरेटर नेताओं के पास दौड़े

ठाणे. ठाणे-पालघर लोकल बॉडी सीट के चुनावों का ऐलान होते ही, महागठबंधन में शामिल दो पार्टियां, शिवसेना और BJP, एक बार फिर आमने-सामने आ गई हैं। माना जा रहा है कि इस पार्टी के लोकल नेताओं ने सवाल उठाया है कि सबसे ज़्यादा वोट होने के बावजूद यह सीट डिप्टी चीफ़ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के लिए क्यों छोड़ी जाए।

ठाणे में BJP कॉर्पोरेटरों को शिंदे की सेना के मुकाबले मिले कम फंड, कल्याण-डोंबिवली में उनके साथ हुए बर्ताव, मीरा-भाईदर में दोनों पार्टियों के बीच चल रही कड़ी लड़ाई और नवी मुंबई में शिंदे की सेना के भारी विरोध को देखते हुए, ऐसा माना जा रहा है कि BJP नेताओं ने वरिष्ठों से मांग की है कि इस साल गठबंधन के हिसाब-किताब में रवींद्र फाटक को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। पता चला है कि ठाणे, नवी मुंबई, मीरा-भाईदर के लोकल BJP नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और वन मंत्री गणेश नाइक से मिलकर इस पर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की है।

ठाणे लोकसभा सीट पर BJP के सबसे ज़्यादा MLA होने के

बावजूद, यह सीट शिंदे की सेना के लिए छोड़ दी गई थी। लोकल लीडरशिप चाहती थी कि ठाणे और कल्याण डोंबिवली मनपा के चुनाव अलग-अलग लड़े जाएं। हालांकि, दिल्ली में शिंदे की मीटिंग के बाद, दोनों जगहों के BJP नेताओं के पास अलायंस बनाने के अलावा कोई चारा नहीं था। हालांकि, चुनाव के बाद BJP इन दोनों म्युनिसिपैलिटी में सत्ता में शामिल हो गई, लेकिन यहां पार्टी के कॉर्पोरेटर शिकायत कर रहे हैं कि डेवलपमेंट के कामों के लिए फंड नहीं दिया जा रहा है। ठाणे में यह झगड़ा एक-दूसरे के खिलाफ़ नारेबाज़ी तक पहुंच गया है।

मीरा-भाईदर में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाईक और BJP MLA नरेंद्र मेहता के बीच लगातार झगड़ा देखा जा रहा है। मेहता ने आरोप लगाना शुरू कर दिया है कि सरनाईक एक करप्ट मिनिस्टर हैं। इन दोनों पार्टियों के बीच इतनी कड़ी लड़ाई चल रही है, वहीं लोकल लीडरशिप ने ठाणे-पालघर लेजिस्लेटिव काउंसिल सीट शिंदे की शिवसेना को देने पर एतराज़ जताया है और यह नाराज़गी लीडरशिप तक पहुंचा दी गई है, सूत्रों ने बताया। एक काम करो, शिंदे को पार्टी प्रेसिडेंट बना दो। ठाणे-पालघर लेजिस्लेटिव काउंसिल के इस इलाके में BJP के पास 444 वोट हैं। जबकि शिंदे की शिवसेना के पास नीलेश सांबरे ग्रुप को मिलाकर 346 वोट हैं। नंबर के हिसाब से BJP साफ़ तौर पर आगे है। शिंदे के सपोर्टर रवींद्र फाटक पहले इसी इलाके से MLA चुने गए थे।

पिछले चुनाव में उन्होंने कांग्रेस अलायंस के वसंत डावखरे को हराया था। हालांकि, BJP नेता अब यह सवाल उठा रहे हैं कि MLA के तौर पर फाटक के छह साल के परफॉर्मेंस को कैसे एनालाइज़ किया जाए। पता चला है कि ठाणे के एक नेता ने BJP के प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण और फॉरेस्ट मिनिस्टर गणेश नाइक के सामने यह सवाल उठाया है। उन्हें फाटक का इस पूरे इलाके में किया गया कम से कम एक बड़ा काम दिखाओ। लोकसभा चुनाव के बाद से ही लोकल BJP पदाधिकारियों में बेचैनी है। इसके बाद हुए लोकल बॉडी चुनावों में BJP कार्यकर्ताओं ने अकेले चुनाव लड़ने का भी रुख अपनाया। हालांकि, सीनियर लेवल के गठबंधन के फैसले की वजह से BJP को कई जगहों पर कम सीटों से ही संतोष करना पड़ा।

ठाणे में FDA की बड़ी कार्रवाई

■ लाखों रुपये का सामान ज़ब्त
■ 6 गिरफ्तार

ठाणे। जिले के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने कमिश्नर तुकाराम मुंढे के गाइडेंस में 27 मई 2026 को एक बड़ा स्पेशल कैंपेन चलाया। इस कैंपेन के दौरान, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट का उल्लंघन करने वाले कई फूड बिजनेसमैन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।FDA अधिकारियों ने अलग-अलग फूड दुकानों की जांच की और 7 लाख 30 हजार रुपये से ज़्यादा का संदिग्ध स्टॉक ज़ब्त किया। इसमें 1,49,724 रुपये का एडिबल ऑयल, 93,830 रुपये का फरसान, 2,06,800 रुपये का घी, 8,190 रुपये के हक्का नूडल्स, 17,100 रुपये की ताड़ी, 54,096 रुपये का शरबत और 1,97,640 रुपये का गोंद (गोंद अरबी) शामिल है। इसके अलावा, पुलिस ने उसी दिन बैन खाने की चीज़ें बेचने के आरोप में छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया है और उनसे 4,53,344 रुपये का प्रतिबंधित सामान ज़ब्त किया है।फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने सभी खाने के कारोबारियों से अपील की है कि वे फूड सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करें और साफ-सफाई बनाए रखें। लोगों से अपील की गई है कि अगर उन्हें खाने की चीज़ों की क्वालिटी को लेकर कोई शिकायत है, तो वे एडमिनिस्ट्रेशन के टोल-फ्री नंबर 1800222365 पर संपर्क करें या ठाणे के वागले एस्टेट में जॉइंट कमिश्नर के ऑफिस में लिखकर शिकायत करें। एडमिनिस्ट्रेशन ने चेतावनी दी है कि लोगों की सेहत की रक्षा के लिए कमिश्नर तुकाराम मुंढे के गाइडेंस में ऐसी सख्त कार्रवाई रेगुलर जारी रहेगी।

मोबाइल चोरी के शक में युवक की डंडे से पिटाई

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर के पूर्व इलाके में मोबाइल चोरी किए जाने के शक में एक युवक की लकड़ी के डंडे और लातों से पिटाई की गई. इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

मिली जानकारी के अनुसार महालक्ष्मीनगर टेकडी निवासी सिद्धेश शिवाजी रसाल (25) मजदूरी करता है. 26 मई की रात लगभग साढ़े 11 बजे वह अंबरनाथ पूर्व में हिंदू श्मशान घाट के पास सागौन के जंगल में बैठा था. इसी दौरान दीपक साबले ने पिंटू और केतन सपकाल ने मिलकर मोबाइल फोन चोरी होने के संदेह में सिद्धेश के दोनों पैरों, हाथों और पीठ पर लकड़ी के डंडों से जमकर पिटाई की.

1 जून से समुद्र में मछली पकड़ने पर बैन

■ नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाई

ठाणे। ठाणे और पालघर जिले के मछुआरों के लिए बहुत ज़रूरी खबर है। समुद्र में मछली के स्टॉक को बचाने और मानसून के दौरान तूफानी मौसम से मछुआरों की जान बचाने के लिए, सरकार ने 1 जून से 31 जुलाई, 2026 तक मानसून में मछली पकड़ने पर ऑफिशियल बैन लगाने का ऐलान किया है। ठाणे-पालघर जिले के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ फिशरीज (टेक्निकल) दिनेश पाटिल ने इस बारे में ऑफिशियल जानकारी दी है।इन दो महीनों में समुद्र में मछलियों के ब्रीडिंग का मौसम होता है, इसलिए इस बैन से मछली के बीज बनाने के प्रोसेस को काफी स्कोप मिलता है और समुद्र में मछली का स्टॉक बढ़ाने में मदद मिलती है।फिशरी डिपार्टमेंट के दिए गए ऑर्डर के मुताबिक, यह मानसून में मछली पकड़ने का बैन सभी तरह की मोटराइज्ड और मैकेनिकल नावों पर पूरी तरह लागू होगा। हालांकि, पारंपरिक मछली पकड़ने वाली नॉन-मोटराइज्ड नावों को इस बैन से छूट दी गई है। समुद्र में गई सभी मोटराइज्ड नावों को 31 मई 2026 से पहले अपने-अपने पोर्ट पर लौटना ज़रूरी कर

दिया गया है, और 1 जून या उसके बाद पोर्ट पर मछली उतारने की इजाज़त नहीं होगी। साथ ही, राज्य के तट से 12 नॉटिकल मील से ज़्यादा गहरे समुद्र में जाने वाली नावों पर केंद्र सरकार की पॉलिसी और गाइडलाइंस लागू रहेंगी।सभी मछुआरा कोऑपरेटिव से इन सरकारी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है। अगर बैन के दौरान कोई मोटराइज्ड नाव गैर-कानूनी तरीके से मछली पकड़ती पाई जाती है, तो नाव, उसका सामान और पकड़ी गई मछलियों को महाराष्ट्र सी फिशरीज़ रेगुलेशन एक्ट के तहत ज़ब्त कर लिया जाएगा और मालिक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं, सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर बैन के दौरान कोई हादसा होता है, तो ऐसी नाव को सरकार की तरफ से कोई फाइनेंशियल मुआवजा नहीं मिलेगा। इसलिए, फिशरीज़ डिपार्टमेंट ने सभी नाव मालिकों से नियमों का पालन करने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

भिवंडी बस डिपो का होगा कायाकल्प

■ रीकंस्ट्रक्शन के लिए 14.18 करोड़ रुपये का बजट मंज़ूर

ठाणे. भिवंडी ST स्टेशन के रीकंस्ट्रक्शन के लिए 14.18 करोड़ रुपये का बजट गृहविभाग ने मंज़ूर कर दिया है। भिवंडी एसटी बस स्टेशन से रोज़ाना 250 से ज़्यादा बसें चलती हैं। इस स्टेशन से लंबी दूरी और लोकल बसें चलती हैं। दूसरे डिपो से ST ट्रेनों के आने-जाने की वजह से यह स्टेशन हमेशा पैसेंजर्स से भरा रहता है। इस स्टेशन के डेवलपमेंट के कामों, जैसे प्लेटफॉर्म, ट्रैफिक कंट्रोल रूम, स्टेशन मास्टर, रिज़र्वेशन रूम, पार्सल ऑफिस, ड्राइवर-कंडक्टर रेस्ट रूम, पुलिस रूम, टॉयलेट वगैरह के लिए 14.18 करोड़ रुपये का बजट मंज़ूर करने का मामला विचाराधीन था। गृह विभाग ने कुछ शर्तों के साथ इस बजट को मंज़ूरी दे दी।

शर्तों में मुख्य रूप से इस काम के लिए संबंधित कार्यकारी अभियंता से टेक्निकल अप्रूवल लेना, पुराने स्ट्रक्चर को गिराना और मंज़ूर बजट से कंस्ट्रक्शन से पहले के खर्चों को कवर करना वगैरह शामिल हैं।

■ बिल्डिंग पांच दशक से भी ज़्यादा पुरानी

पिछले कई महीनों से भिवंडी में ST डिपो की हालत बहुत खराब हो गई थी। इस डिपो से रोज़ाना हज़ारों कर्मचारी आते-जाते हैं। ST डिपो जिस बिल्डिंग का इस्तेमाल करता था, उसे कुछ साल पहले मनपा अधिकारियों ने खतरनाक घोषित कर दिया था। फिर भी, महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल ने इस बारे में कुछ नहीं किया। इससे यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाती थी। लेकिन अब दोबारा बनने के बाद यह स्थिति बदलने वाली है।

भिवंडी ST डिपो का उद्घाटन 20 मार्च 1972 को हुआ था। उसके बाद, लोग 50 साल से ज़्यादा समय से इस डिपो से सफ़र कर रहे हैं। यह बिल्डिंग उसी समय बनी थी। पिछले पाँच दशकों से इस बिल्डिंग पर ध्यान न देने की वजह से यह खराब हो गई। इस डिपो से मुंबई, ठाणे, कल्याण, वसई, शहापुर, वाडा जैसे कई शहरों और ग्रामीण इलाकों के लिए बसें निकलती हैं।

किस पर कितना होगा खर्च?

- बस स्टेशन बिल्डिंग – 8 करोड़ 54 लाख
- पानी की सप्लाई, सीवेज सिस्टम – 42 लाख 70 हजार
- बिजली सिस्टम – 93 लाख 94 हजार
- आग बुझाने का सिस्टम – 12 लाख 20 हजार
- बारिश के पानी का हार्वेस्टिंग – 3 लाख
- बाड़, एंट्रेंस – 8 लाख 80 हजार
- कंक्रीटिंग – 94 लाख 40 हजार

सोसायटी परिसर में कुर्बानी, सेक्रेटरी-चेयरमैन समेत छह पर मामला दर्ज

कल्याण। बकरीद के मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद सोसायटी परिसर में बकरों की कुर्बानी करना कुछ लोगों को भारी पड़ गया। कल्याण के पत्रीपुल इलाके स्थित सर्वोदय सृष्टि सागर कॉम्प्लेक्स में कथित रूप से कुर्बानी किए जाने के मामले में बाजारपेठ पुलिस ने सोसायटी के सेक्रेटरी, चेयरमैन समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सर्वोदय सृष्टि सागर कॉम्प्लेक्स में कथित तौर पर बकरों की कुर्बानी किए जाने की शिकायत सामने आई।

मामले की जानकारी मिलते ही बाजारपेठ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोसायटी के सेक्रेटरी सलीम शेख, चेयरमैन शब्बीर मेमन, उस्मान उमर और उनके चार अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

गर्मी से जूझ रहे पुलिसवालों के लिए 'रिहाइड्रेशन कवच'

■ पुलिसवालों को 70,000 WHO सर्टिफाइड ORS बोतलें बांटी गईं

ठाणे. बढ़ते तापमान की वजह से हीटस्ट्रोक का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट ने सड़कों पर घंटों गर्मी से जूझ रहे पुलिसवालों के लिए एक राहत देने वाली पहल की है। ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे और जॉइंट पुलिस कमिश्नर डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के गाइडेंस में, ट्रैफिक पुलिस के डिप्टी कमिश्नर पंकज शिरसाट ने हेलवुड लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, रोटरी रॉयल फाउंडेशन और आशीष पोद्दार के ज़रिए पुलिसवालों को 70,000 WHO सर्टिफाइड ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट इलेक्ट्रोलाइट्स रेडी-टू-ड्रिंक बोतलें फ्री में बांटीं। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में ठाणे, भिवंडी, कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर शहर आते हैं और इसके तहत पांच सर्किल में कुल 35 पुलिस स्टेशन और 18 ट्रांसपोर्ट यूनिट काम कर रही हैं। इस समय पुलिस को भी तेज गर्मी की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर, ट्रैफिक पुलिस, जो तेज गर्मी में सड़कों पर खड़े होकर ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए जिम्मेदार है, परेशान हो रही है। इसलिए, पुलिस को 70 हजार रिहाइड्रेशन बोतलें मुफ्त में बांटी गईं क्योंकि शरीर में पानी का लेवल और इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। यह WHO सर्टिफाइड रेडी-टू-ड्रिंक फॉर्मूला शरीर को तुरंत एनर्जी देता है, थकान कम करता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी

■ सिंगल महिलाओं को ऐज शेम करना बंद करें

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं।

47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं। उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है।

शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, 'हां, मैं अब अलग दिखूंगी।

समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है।'

'शादी करके आपने क्या उखाड़ लिया'

यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, 'तो? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई?

कलवा अस्पताल में कांग्रेस पदाधिकारी की पत्नी की मौत

■ यह मौत नहीं सिस्टम का किया गया मर्डर है
■ कलवा हॉस्पिटल के खिलाफ गुस्सा!

ठाणे. मनपा के कलवा में छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल में कथित लापरवाही और अमानवीय मैनेजमेंट के कारण कांग्रेस नेता की पत्नी की मौत। कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाया है कि यह मौत 'आयुष्मान भारत' स्कीम के पेपरवर्क प्रोसेस में मरीज के फंसने और समय पर इलाज न मिलने के कारण हुई, और इस पूरे मामले ने हॉस्पिटल के मिसमैनेजमेंट को सामने ला दिया है।कलवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट राजेंद्र (राजू) शेट्टी की पत्नी संगीता शेट्टी को तबियत

खराब होने पर आनंद दिघे हार्ट डिजीज सेंटर लाया गया था।आरोप है कि मरीज़ को बेड होने के बावजूद 'बेड नहीं है' कहकर भर्ती करने से मना कर दिया गया। बेसिक इलाज भी न मिलने के बाद दूसरे हॉस्पिटल में ले जाते समय उसकी मौत हो गई।इस घटना के बाद, कांग्रेस के ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राहुल पिंगले की लीडरशिप में गुस्साए कार्यकर्ता ने हॉस्पिटल पर धावा बोल दिया और एडमिनिस्ट्रेशन को आड़े हाथों लिया। कांग्रेस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राहुल पिंगले ने कहा, 'गरीबों की जान से खेलने वाले लापरवाह डॉक्टरों और स्टाफ का साथ देने वालों पर भी एक्शन होना चाहिए। यह सिर्फ़ लापरवाही नहीं बल्कि सिस्टम का शिकार होना है।पीड़ित परिवार बहुत परेशान है और कांग्रेस ने मांग की है कि परिवार को तुरंत 25 लाख रुपये की फाइनेंशियल मदद दी जाए। साथ ही, संबंधित डॉक्टरों, स्टाफ और ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज करके उन्हें नौकरी से निकालने की भी मांग की है। हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन ने मामले की जांच का लिखकर भरोसा दिया है, लेकिन कांग्रेस ने एडमिनिस्ट्रेशन के रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताई है। 'अगर हॉस्पिटल में गरीब और आम लोगों को इंसाफ नहीं मिल रहा है, तो यह सिस्टम किसके लिए है?' यह सवाल कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उठाया।इस बीच, कांग्रेस ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर 6 जून तक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे ठाणे मनपा और अस्पताल के खिलाफ कड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामूली दुर्घटना को लेकर टेम्पो चालक की पीट-पीटकर हत्या

■ तीन लोग गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे जिले में एक मामूली सड़क दुर्घटना को लेकर हुए विवाद के बाद 38 वर्षीय टेम्पो चालक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में दो भाइयों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना 22 मई को शिल-डायघर पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। पीड़ित केतन धामनस्कर टेम्पो चालक का काम करते थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उनकी पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, धामनस्कर द्वारा चलाए जा रहे टेम्पो की टक्कर 21 वर्षीय जितेश तुकाराम तावड़े के स्कूटर से गलती से हो गई।

अधिकारी ने बताया, "उसी दिन बाद में, जितेश और दो अन्य लोग पीड़ित के घर पहुंचे और उस पर लात और घूंसे चलाने लगे। हमले के दौरान धमनस्कर के गुप्तांगों पर गंभीर चोटें लगीं और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।"

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्री भीष्म शंकरलाल नागरानी, इस प्रापर्टी के खरीद का सौदा श्री हसमुख गोविंदबाई पटेल, प्रथम पक्ष के साथ किया है। अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 14 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

उक्त विक्रेता, उल्हासनगर-3 में डालडा डिपो के पीछे स्थित, यू.एन. 125 शीट नंबर 37 नामक कमरे के एकमात्र, पूर्ण, कानूनी और अनन्य स्वामी हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 167 वर्ग गज (अतिरिक्त) i.e. 2534 sq.fts UMC के अनुसार. , जिसका विक्रय विलेख उप-विभागीय अधिकारी कार्यालय, उल्हासनगर, उल्हासनगर द्वारा जारी किया गया है (संख्या)। एसडीओ/प्लॉट/सी-3/सीडीआर संख्या 12 दिनांक 26.11.1997 गज, सीटीएस संख्या 30314 और उल्हासनगर नगर निगम द्वारा पुराने खाता संख्या 27/1877 वार्ड 27 के तहत मूल्यांकित, संपत्ति संख्या सी-27BO004810000 जिसे इसके बाद 'उक्त संपत्ति' कहा और संदर्भित किया गया है।

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड,
उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099